Ambe Tu Hai Jagdambe kali pdf

https://hindisanatan.com/

अम्बे तू है जगदम्बे काली,
जय दुर्गे खप्पर वाली ।
तेरे ही गुण गाये भारती,
ओ मैया हम सब उतारे, तेरी आरती॥

तेरे भक्त जनो पर माता,
भीड़ पड़ी है भारी ।
दानव दल पर टूट पड़ो माँ,
करके सिंह सवारी ।
सौ-सौ सिंहों से भी बलशाली,
है दस भुजाओं वाली,
दुखिओं के दुखड़े निवारती।
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती।
अम्बे तू है जगदम्बे काली,
जय दुर्गे खप्पर वाली,
तेरे ही गुण गायें भारती,
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती॥

माँ बेटे की है इस जग में
बड़ा ही निर्मल नाता ।
पूत कपूत सुने है,
पर ना माता सुनी कुमाता।
सब पे करुणा दर्शाने वाली,
अमृत बरसाने वाली,
दुखिओं के दुखड़े निवारती।

ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती
अम्बे तू है जगदम्बे काली,
जय दुर्गे खप्पर वाली,
तेरे ही गुण गायें भारती,
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती॥

नहीं मांगते धन और दौलत,
ना चांदी ना सोना ।
हम तो मांगे माँ तेरे मन में,
इक छोटा सा कोना।
सबकी बिगड़ी बनाने वाली,
लाज बचाने वाली,
सतियों के सत को सवारती।
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती।
अम्बे तू है जगदम्बे काली,
जय दुर्गे खप्परवाली,
तेरे ही गुण गायें भारती,
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती॥

हिन्दी सनातन लीरिक्स